आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 01.02.2026 समय : 0705

<><><><><><><><>

- वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन आज लोकसभा में वर्ष 2026–27 का केन्द्रीय बजट प्रस्तुत करेंगी– वित्त मंत्री देश के विभिन्न क्षेत्रों के महाविद्यालयों से आए तीस विद्यार्थियों से भी बातचीत करेंगी।
- उपराज्यपाल एडमिरल डी के जोशी ने भारतीय तटरक्षक बल के पचासवें स्थापना दिवस के अवसर पर कहा–कि भारतीय तटरक्षक बल आज देश की तटीय सुरक्षा और समुद्री शासन का सशक्त स्तंभ बन चुका है।
- प्रधानमंत्री की प्रमुख पहल पर्पल फेयर के तहत अंडमान निकोबार द्वीप समूह में एक दिवसीय पर्पल फेयर 2026 का सफल आयोजन किया गया।
- विश्व शतरंज महासंघ द्वारा फरवरी 2026 की जारी रेटिंग सूची के अनुसार, द्वीप समूह के चार और युवा शतरंज खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय FIDE रेटिंग हासिल किया।

<><><><><><><><>

वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन आज लोकसभा में वर्ष 2026–27 का केन्द्रीय बजट प्रस्तुत करेंगी। लोकसभा के बाद बजट की प्रति राज्यसभा में पेश की जाएगी। संसद में बजट भाषण सम्पन्न होने के बाद बजट की प्रति मोबाइल ऐप और वेबसाइट पर भी उपलब्ध होगी। श्रीमति सीतारामन, बजट के बाद देश के विभिन्न क्षेत्रों के महाविद्यालयों से आए तीस विद्यार्थियों से बातचीत करेंगी। देश के विभिन्न हिस्सों से आए महाविद्यालयों के लगभग तीस विद्यार्थियों को आज लोकसभा गैलरी से केंद्रीय बजट की कार्यवाही देखने का अवसर मिलेगा।

<><><><><><><><>

भारतीय तटरक्षक बल के 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर अंडमान–निकोबार द्वीपसमूह के उपराज्यपाल एडमिरल डी.के. जोशी ने तटरक्षक बल के सभी अधिकारियों, जवानों, कर्मियों एवं उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय तटरक्षक बल आज देश की तटीय सुरक्षा, समुद्री शासन और मानवीय सहायता का एक सशक्त स्तंभ बन चुका है।

अंडमान–निकोबार क्षेत्र में तैनात तटरक्षक बल ने खोज एवं बचाव अभियानों, चक्रवात राहत, समुद्री आपात स्थितियों और चिकित्सा सहायता में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। समुद्री प्रदूषण नियंत्रण, मत्स्य संरक्षण, अवैध गतिविधियों की रोकथाम और मादक पदार्थ विरोधी अभियानों में भी बल का योगदान सराहनीय है। आधुनिक जहाजों और विमानों की तैनाती से इसकी क्षमताएं और सुदृढ़ हुई हैं। श्री विजयपुरम में स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर उन्होंने बल के साहस, समर्पण और "वयम् रक्षामः" के आदर्शों की सराहना की।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री के सक्रिय शासन और समयबद्ध कार्यान्वयन के प्रमुख मंच, प्रगति ने 50वीं बैठक के सफल आयोजन के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2015 में प्रगति की शुरूआत की थी। प्रगति ने प्रधानमंत्री की सीधी समीक्षा के माध्यम से प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं और जन–शिकायतों की वास्तविक निगरानी तथा समाधान को सक्षम बनाकर शासन व्यवस्था में क्रांति पैदा की है। यह मंच सहकारी संघवाद का एक आदर्श उदाहरण है। विशेष श्रृंखला में आज उत्तराखंड से संबंधित परियोजनाओं पर उत्तराखंड एक रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हिमालयी राज्य है और यहां सड़क, बिजली, दूरसंचार और तीर्थयात्रा से जुड़ी कई राष्ट्रीय महत्व की अहम परियोजनाएं चल रही हैं। वर्तमान में उत्तराखंड में कुल 42 परियोजनाएं प्रगति मंच के तहत निगरानी में हैं। इनमें से 15 बड़ी परियोजनाओं की, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रगति के माध्यम से समीक्षा की जा रही हैं जिनकी लागत एक लाख 22 हजार करोड़ रुपये है। इनमें, चारधाम सड़क परियोजना, ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन, दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस वे और बड़ी जलविद्युत परियोजनाएं शामिल हैं।

<><><><><><><>

समीक्षा बैठकों के दौरान, इन परियोजनाओं से जुड़ी, कुल उन्हत्तर समस्याएं सामने आई थीं, जिनमें से सड़सठ का समाधान कर लिया गया है। प्रगति तंत्र ने भूमि अधिग्रहण, वन स्वीकृति और कानून–व्यवस्था से संबंधित अड़चनों को दूर कर, परियोजनाओं की गति को तेज करने में अहम भूमिका निभाई है। समस्याओं का समय पर समाधान होने से, कनेक्टिविटी और बिजली परियोजनाओं से संबंधित काम में तेजी आई है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री की प्रमुख पहल पर्पल फेयर के तहत अंडमान निकोबार द्वीप समूह में एक दिवसीय पर्पल फेयर 2026 का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम चेन्नई स्थित राष्ट्रीय बहु–विकलांगता सशक्तिकरण संस्थान एवं सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के तत्वावधान में, समग्र क्षेत्रीय केंद्र, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह द्वारा आयोजित किया गया। यह मेला 30 जनवरी को श्री विजयपुरम स्थित सरकारी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सामाजिक कल्याण विभाग एवं शिक्षा निदेशालय के सहयोग से आयोजित हुआ। पर्पल फेयर का उद्देश्य दिव्यांगजनों की प्रतिभा, क्षमता और योग्यताओं को सम्मानित करने के साथ–साथ उन्हें कल्याणकारी योजनाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, कौशल विकास और आजीविका के अवसरों से जोड़ना है। मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि सचिव समाज कल्याण एवं शिक्षा एल. कुमार, ने किया। उन्होंने कहा कि वास्तविक समावेशन दृष्टिकोण, अवसर और समान भागीदारी से संभव होता है। इस अवसर पर समाज कल्याण, श्रम एवं रोजगार विभाग तथा सीआरसी के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

<><><><><><><>

उद्योग निदेशालय, अंडमान–निकोबार प्रशासन द्वारा आयोजित दो दिवसीय हैकाथॉन एवं स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता का समापन हुआ। कल सम्पन्न हुए इस कार्यक्रम में उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्रों ने स्थानीय समस्याओं के लिए नवाचार समाधान प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में उद्योग निदेशक अतुल सोनी सहित यू टी एल बी सी, नाबार्ड और उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। निदेशक उद्योग ने छात्रों की प्रगतिशील सोच की सराहना करते हुए उन्हें स्टार्टअप इंडिया के अंतर्गत आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कचरा प्रबंधन पर विशेष सत्र भी आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में टैगोर शिक्षा महाविद्यालय की टीम ने प्रथम, पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने द्वितीय और जेएनआरएम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। यह कार्यक्रम द्वीपों में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

<><><><><><><>

विश्व शतरंज महासंघ द्वारा फरवरी 2026 की जारी रेटिंग सूची के अनुसार, द्वीप समूह के चार और युवा शतरंज खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय FIDE रेटिंग प्राप्त की है। आंध्र प्रदेश में आयोजित फिडे–रेटेड टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद एएफएम बी. विग्नेश ने एक हजार छ सौ बीस की क्लासिकल रेटिंग के साथ अपनी शुरुआत की। वहीं एएफएम सॉ जिनसन सैमुअल ने एक हजार पांच सौ बत्तीस की अपनी पहली क्लासिकल रेटिंग अर्जित की।

एसीएम अग्रिमा सिंह ने असम में आयोजित 14वीं राष्ट्रीय स्कूल शतरंज चैंपियनशिप दो हजार पच्चीस में उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से एक हजार चार सौ तीन की क्लासिकल रेटिंग प्राप्त की। वहीं अंडर–7 खिलाड़ी एसीएम नुहान सिद्दीकी वी. के. ने असम में आयोजित एक फिडे–रेटेड ब्लिट्ज टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन कर एक हजार पांच सौ पच्चीस की FIDE ब्लिट्ज रेटिंग हासिल की। अंडमान निकोबार शतरंज संघ ने सभी खिलाड़ियों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

<><><><><><><><>

पर्यावरण एवं वन विभाग द्वारा 14 से 17 फरवरी तक आयोजित होने वाले प्रथम द्वीपीय पक्षी उत्सव के लिए द्वीपों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें गाइडेड नेचर वॉक, बर्ड क्विज, स्केचिंग और नेस्ट बिल्डिंग जैसी गतिविधियां शामिल रहीं। छात्रों, शिक्षकों और आम जनता ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य पक्षी संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आगामी कार्यक्रम 7 फरवरी को आयोजित किए जाएंगे

<><><><><><><><>